



## मेरी दीदी लैला -3

“लैला दीदी – एक सफर – मासूम लड़की से लंड की  
प्यासी-1 नमस्ते दोस्तो, आशा करता हूँ कि आप लोग  
मुझे अभी तक भूले नहीं होंगे, मैं रजत, पंजाब से।  
आपने मेरी कहानी दो भागों में पढ़ी और मुझे ढेर सारे  
मेल किये। कुछ मेल जिनका मुझे लगा कि जवाब  
देना चाहिए मैंने उनका जवाब [...] ...”

Story By: (rajat\_desire)

Posted: Thursday, March 10th, 2011

Categories: [रिश्तों में चुदाई](#)

Online version: [मेरी दीदी लैला -3](#)

# मेरी दीदी लैला -3

लैला दीदी – एक सफर – मासूम लड़की से लंड की प्यासी-1

नमस्ते दोस्तो, आशा करता हूँ कि आप लोग मुझे अभी तक भूले नहीं होंगे, मैं रजत, पंजाब से।

आपने मेरी कहानी दो भागों में पढ़ी और मुझे ढेर सारे मेल किये।

कुछ मेल जिनका मुझे लगा कि जवाब देना चाहिए मैंने उनका जवाब दिया, बाकी मेल ऐसे लोगों के थे जो मुझसे चाहते थे कि मैं उनसे अपनी दीदी को चुदवाऊँ। उन लोगों के लिए मेरा जवाब यह है कि भाई लोगो, ना तो उन लड़कों से लैला दीदी को मैंने चुदवाया था ना ही किसी और से चुदवा सकता हूँ।

यहाँ मैं अन्तर्वासना का शुक्रिया अदा करता हूँ भले ही मेरे कहानी भेजने के सवा साल बाद की पर प्रकाशित की। बस मुझे इस बात का दुःख है कि सम्पादक जी ने नियमों के पालन के लिए कहानी में कुछ परिवर्तन किए जिससे लोगों को लगने लगा कि ऐसा हो ही नहीं सकता।

प्रिय पाठकों से क्षमाप्रार्थी हूँ कि अगला भाग भेजने में देर हो गई परन्तु इसका भी एक कारण था। आपके मेल पढ़ने के बाद मुझे लगा कि आगे की कहानी भेजने से पहले लैला दीदी खुद आपकी शंकाएँ दूर करें। तो आपकी सेवा में प्रस्तुत है मेरी दीदी लैला कैसे एक मासूम बच्ची से लंड की प्यासी एक कामुक लड़की बन गई और यह बात आपको मुझसे बेहतर लैला दीदी ही समझा सकती थीं इसलिए लेखनी मेरी है पर शब्द लैला दीदी के हैं।

मैं लैला हूँ, पंजाब की रहने वाली हूँ। मेरे भाई के सौजन्य से आप लोग मेरे बारे में सब कुछ

जानते हैं तो अपना परिचय ना देते हुए अपनी बात रखती हूँ। कोई भी औलाद चाहे वो लड़का हो या लड़की, अपनी माँ के पेट से शैतान पैदा नहीं होती, इस धरती के लोग और हालात उसको शैतान बना देते हैं। मैं भी ऐसे ही अपने माँ-बाप की दुलारी एक प्यारी सी बेटी थी, मेरा भाई और बहन मुझसे बहुत समय बाद इस धरती पर आये तो बरसों तक मैं माँ-बाप की अकेली संतान थी, घर में सबसे ज्यादा लाड़-दुलार मिलता था, खासकर पापा की तो मैं जान थी। जिंदगी हँसते खेलते बीत रही थी, पापा सरकारी जॉब में थे तो एक दिन पापा ने घर आ कर बताया कि वो सरकारी काम से दूसरे शहर जा रहे हैं दो दिन के लिए।

जिस शहर में पापा को जाना था, उस शहर में पापा की मौसी की बेटी रहती थी, मतलब मेरी बुआ।

बुआ से पापा की बहुत बनती थी और बुआ हर बार फोन पर कहती थी कि कभी लैला को लेकर आओ ! मजे की बात यह थी कि उन दिनों मुझे स्कूल में छुट्टियाँ थी तो पापा ने मुझे साथ लेकर जाने का प्रोग्राम बना लिया।

अगले दिन मैं और पापा चल दिये। हम सीधे बुआ के घर गये। बुआ के घर में मुझे देख के सभी बहुत खुश हुए, खासकर बुआ का बेटा बंटी जो मेरा हमउम्र था।

पापा ने बुआ को बताया कि उनको दो दिन यहाँ रहना है तो सभी बहुत खुश हुये।

चाय-नाश्ता करने के बाद पापा तो अपने काम पर चले गये, मैं और बंटी खेलने में मस्त हो गई। पता ही नहीं चला दोपहर कब हो गई। जुलाई का महीना था तो बुआ ने हमको खाना खिलाने के बाद कहा- बाहर गर्मी बहुत है तो अब तुम दोनों शाम तक कमरे से बाहर नहीं निकलोगे।

मैं और बंटी कमरे में आ गये और बुआ दूसरे कमरे में चली गई यह कह कर कि मैं सोने जा

रही हूँ, तुम दोनों खेलो, चाहे सो जाओ पर शाम 6 बजे तक कमरे से बाहर नहीं निकलोगे।

थोड़ी देर तो हम खेलते रहे फिर मैंने कहा- बंटी, मुझे भी नींद आ रही है।

तो बंटी बोला- हाँ लैला, मुझे भी अब नींद आ रही है, चलो थोड़ी देर सो जाते हैं और शाम को फिर खेलेंगे।

तो हम दोनों बिस्तर पर लेट गये। मैं करवट लेकर लेटी थी और बंटी मेरे पीछे लेटा था।

थोड़ी देर बाद बंटी मुझसे बोला- लैला, मैं तेरी गाण्ड ले लूँ ?

मुझे पता नहीं था कि गाण्ड लेना किसको कहते हैं, मुझे लगा इसको मेरी कोई चीज पसंद आ गई होगी तो मैंने भोलेपन से कह दिया- हाँ ले लो !

तो बंटी महाशय ने मुझे पीछे से पकड़ लिया और लगे अपनी लुल्ली मेरे चूतड़ों पर रगड़ने !

पहले तो कपड़े पहने पहने ही, जब मैंने कहा- बंटी तुम तो मेरी गाण्ड लेने वाले थे तो यह क्या कर रहे हो ?

तो बंटी बोला- वही तो कोशिश कर रहा हूँ !

मैंने कहा- मुझे तो कुछ समझ नहीं आ रहा कि तुम क्या बोल रहे हो।

तो वो मेरे चूतड़ों पर हाथ लगा कर बोला- पागल, यह तेरी गाण्ड है न, यही तो मुझे लेनी है।

मैंने कहा- ठीक है ले लो !

मैं समझ रही थी कि शायद यह भी कोई गेम होगी तो बंटी महाशय ने क्या किया, मेरी स्कर्ट ऊपर की, कच्छी नीचे सरकाई और मेरे चूतड़ नंगे कर दिए। फिर उसने अपनी पैट नीचे की और अपनी लुल्ली निकाल कर मेरे चूतड़ों की दरार के बीच में रगड़ने लगा।

इससे मुझे थोडा सा अजीब भी लग रहा था और मजा सा भी आ रहा था। कुछ देर लुल्ली मेरी दरार में रगड़ने के बाद वो शांत हो गया और अपनी निक्कर वापिस ऊपर चढ़ा ली।

मैंने पूछा- क्या हुआ ?

तो बोला- मैंने तुम्हारी गाण्ड ले ली है, अब तुम भी अपने कपड़े ठीक कर लो।

तो मैंने भी अपनी कच्छी ऊपर कर ली और स्कर्ट नीचे कर ली।

यह सब करके बंटी तो सो गया पर मेरी आँखों से नींद गायब हो चुकी थी, मेरा दिल कर रहा था कि बंटी फिर वो सब करे और करता ही रहे। मैंने बंटी को जगाया और कहा- बंटी, और करो ना !

तो वो बोला- लैला, एक बार में इतनी ही ली जाती है गाण्ड ! अब सो जाओ, शाम को फिर से ले लूँगा।

और बंटी फिर से सो गया पर मुझे नींद नहीं आई, मैं जागती रही और शाम होने का इंतज़ार करती रही।

शाम को बंटी जगा तो मैंने उसको फिर कहा- बंटी, फिर से वो करते हैं ना !

तो वो बोला- चुप कर ! पागल ! मम्मा के सामने न बोल देना कहीं ! वर्ना बहुत मार पड़ेगी।

मुझे समझ तो नहीं आ रहा था कि क्यूँ मार पड़ेगी पर मैं चुप हो गई ।

फिर बुआ ने हम दोनों को ठंडा दूध दिया, दूध पीने के बाद बंटी मुझे लेकर छत पर आ गया खेलने के बहाने ।

बुआ घर के काम करने लगी । छत पर एक कमरा था पुराना सा, बंटी मुझे उस कमरे में ले गया और मुझे दीवार के सहारे खड़ा कर दिया । पहले उसने मेरी स्कर्ट ऊपर उठा कर मेरी कच्छी नीचे सरकाई और फिर अपनी पैट नीचे करके अपनी लुल्ली बाहर निकाली और अपनी समझ में मेरी गाण्ड लेने लगा । पता नहीं ऐसा उसने किससे सीखा था या किसी ने उसके साथ किया था...पर मेरे लिए यह नया खेल था जिसमें बहुत मजा आता था ।

पर दोनों बार हुआ यह कि जब मुझे मजा आने लगता था तो बंटी बस कर जाता था और मैं तरसती रह जाती थी ।

तो मैंने बंटी को कहा- थोड़ी देर और लो न मेरी गाण्ड !

तो वो बोला- लैला, एक बार में इस से ज्यादा मैं नहीं ले सकता ।

तो मैंने रूठते हुये उससे कहा- जाओ फिर आगे से मैं तुमको गाण्ड नहीं दूँगी ।

तो वो मुझे मनाने लगा ।

जब मैं उसके बहुत मनाने पर भी नहीं मानी तो वो बोला- लैला, मेरे दो-तीन दोस्त हैं, तुम मेरे साथ चलो खेलने । फिर मैं और मेरे दोस्त मिल कर तुम्हारी गाण्ड लेंगे ।

मैंने कहा- ठीक है, चलो !

तो हम नीचे आ गये । बंटी ने बुआ से कहा- वो और मैं बाहर दोस्तों के साथ खेलने जा रहे

हैं।

बुआ ने कहा- ठीक है, पर जल्दी आ जाना।

और बंटी मुझे लेकर अपने तीन दोस्तों के पास गया और उनसे कुछ देर बातें करता रहा और फिर मेरे पास आया, कहने लगा- हमारे पीछे पीछे आ जाओ।

फिर वो मुझे एक खाली पड़े पुराने से खंडहर में ले गये और फिर बारी बारी से मेरे साथ वो खेल खेलने लगे। लगभग आधे घंटे तक दो लड़के और बंटी मेरे साथ वो सब कर चुके थे, जो एक बाकी बचा था वो मेरे पीछे आया और उसने उन लड़कों की तरह मेरी दरार पर लुल्ली नहीं रगड़ी बल्कि अपनी उंगलियों से मेरी दरार को चौड़ा कर दिया फिर अपनी लुल्ली मेरी गाण्ड के छेद में घुसाने लगा।

उसकी लुल्ली मेरे छेद में तो नहीं घुसती थी, उलटे फिसलकर मेरी एक दूसरे से कसी जाँघों के बीच आकर रुक जाती, इससे मुझे और भी ज्यादा मजा मिलने लगा।

फिर थोड़ी देर बाद वो भी थक हार कर रुक गया। फिर मैं और बंटी घर वापिस आ गये। रात को भी हम एक ही बिस्तर पर सोये तो आप समझ ही सकते हैं कि रात को भी वही सब हुआ और फिर अगले दिन दोपहर से पहले फिर से उस खंडहर में बंटी और उन तीन लड़कों ने मेरे साथ किया और दोपहर को सोने से पहले फिर से बंटी ने किया।

शाम को पापा का काम खत्म हो गया और मैं और पापा वापिस घर आने की तैयारी करने लगे।

बंटी ने बहुत कहा कि लैला को थोड़े दिन यही रहने दो, बुआ ने भी कहा पर पापा ने कहा- लैला की छुट्टियाँ कल से खत्म हो रही हैं।

और फिर पापा मुझे लेकर वापिस घर आ गये ।

तो यह था लंड की प्यासी लड़की बनने की तरफ मेरा पहला कदम और मुझे इस रास्ते पर ले जाने वाला था मेरा दूर के रिश्ते का भाई !

मेरा सफर जारी रहेगा, मेरे सफर के दर्शक बने रहिएगा...

लैला अरोड़ा

तो दोस्तो, यह थी मेरी लैला दीदी के लंड की प्यासी बनने की शुरुआत !

आपके मेल पढ़ने के बाद मुझे महसूस हुआ कि मैंने शुरुआत ही गलत कर दी । मुझे मेरी लैला दीदी पहले नहीं लिखनी चाहिए थी, शुरुआत मुझे यहाँ से करनी चाहिए थी ।

चलिए देर आए, दुरुस्त आए !

मैं आशा करता हूँ आपसे पहले जैसा ही प्यार मिलता रहेगा और चूत मारने के शौकीन भाई लोगों से भी आशा करता हूँ कि आप मेल्स में अब मुझसे मेरी बहन की दिलाने की बात नहीं करेंगे ।

आपकी मेल्स का इंतज़ार रहेगा ।

## Other stories you may be interested in

### प्यार की शुरुआत या वासना-1

सभी पाठकों को राघव का नमस्कार! यह मेरी पहली कहानी है जो मैं आप लोगों से साझा कर रहा हूँ. मेरा प्लेसमेंट बी टेक थर्ड ईयर में यहीं गुड़गाँव की एक कंपनी में हो गया था, ये मेरे कॉलेज का [...]

[Full Story >>>](#)

### कुंवारी भानजी की वासना और मेरे लंड की मस्ती

दोस्तो, मैं शिवा . ... आप सबने मेरी पिछली सेक्स कहानी गांव की देसी भाभी की मालिश और चुदाई एक बार फिर मैं अपनी सच्ची कहानी आप सब लोगों के सामने पर लेकर आया हूँ. इस कामुक कहानी में आप [...]

[Full Story >>>](#)

### भतीजी ने मेरा लंड लिया

प्यारे दोस्तो, मेरा नाम समीर है और मैं मुम्बई में जॉब करता हूँ. मेरी उम्र 40 साल है मगर मेरी बाँडी काफी हद तक फिट है और कहीं से भी मेरी शोप बिगड़ी नहीं हुई है. मेरा पेट भी नहीं [...]

[Full Story >>>](#)

### चिकनी चाची और उनकी दो बहनों की चुदाई-6

मैं आपका दोस्त ज़ीशान अपनी चुदाई कहानी का 6वां भाग लेकर आया हूँ. ये कहानी बड़ी है, क्योंकि ये सच्ची घटना है. आप सब मज़े लीजिये. अब तक आपने पढ़ा कि रेशमा चाची की मदद से मैंने उनकी बहन परवीन [...]

[Full Story >>>](#)

### चाचा भतीजी की प्यार भरी चुदाई

नमस्कार दोस्तो, मैं आपको अपनी एक कहानी बताने जा रही हूँ. मुझे ये कहानी बताने में थोड़ा अजीब लग रहा है लेकिन ये मेरी अपनी कहानी है इसलिए मैं आपको बता रही हूँ. मेरा नाम सुनीता है. मेरे चाचा शुरू [...]

[Full Story >>>](#)

